

B. A. 5th Semester (General) Examination, 2021 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Paper : DSE-IA**

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेहस्मिन् Group-'A' तथा Group-'B' इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सद्यत्नेन एको विभागो निश्चेतव्यः। अतःपरं प्रश्नपत्रस्य निर्देशानुसारेण प्रश्नाः समाधेयाः।

(এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' অথবা Group-'B' দুটি বিভাগ বিদ্যমান। পরীক্ষার্থীরা প্রথমে একটি বিভাগ নিশ্চয়ভাবে চয়ন করবে এবং তারপর প্রশ্নপত্রের নির্দেশানুসারে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে)।

### Group-A

#### Epigraphy

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाभिप्रायं यद्वा प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रश्नेषु उत्तरद्वयं सरलसंस्कृतभाषया विधेयम्। 5×6=30  
(নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় করণীয়।)  
টীকা লেখা (টীকা লেখ)।
  - a) ताम्रशासने प्रदत्तभूमेः सीमानिर्धारणस्य प्रयोजनम्। (ताम्रशासने प्रदत्त भूमिः सीमानिर्धारणस्य प्रयोजनम्।)
  - b) एशियाटिक सोसाइटी (एशियाटिक सोसाइटी)।
  - c) हातिगुम्फाभिलेखः (हातिगुम्फाभिलेख)।
  - d) लिपिविशेषज्ञरूपेण प्रफेसर जर्जबुहलारमहोदयस्य परिचयः (लिपिविशेषज्ञ रूपे प्रफेसर जर्जबुहलार महोदयस्य परिचय)।
  - e) लिपिविशेषज्ञरूपेण आहमेद हसानदानिमहाभागः (लिपिविशेषज्ञ रूपे आहमेद हसानदानिमहाभाग)।
  - f) अभिलेखपर्यालोचनायां दीनेशचन्द्रसरकारस्य अवदानम् (अभिलेख पर्यालोचनाय दीनेश चन्द्र सरकारस्य अवदान)।
  - g) राजा प्रियदसिः (राजा प्रियदसि)।
2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथायथं त्रयाणामुत्तरं मातृभाषया लिख्यताम्। 10×3=30  
(निम्ने प्रदत्त प्रश्नগুলির মধ্যে তিনটি প্রশ্নের উত্তর মাতৃভাষায় লেখ)।
  - a) কোহিলেখঃ? ভূগোলাধ্যয়নপ্রসঙ্গে অভিলেখানাং গু(ত্ৰ) পর্যালোচ্যতাম্। 2+8=10  
(অভিলেখ কি? ভূগোল অধ্যয়ন প্রসঙ্গে অভিলেখের গুরুত্ব পর্যালোচনা কর।)
  - b) খ্রিস্টীয়দ্বিতীয়শতকস্য মুখ্যভিলেখানাং যথেষ্টং দ্বয়োবিবরণং প্রদেয়म्। 10  
(খ্রিস্টীয় দ্বিতীয় শতকের প্রধান অভিলেখগুলির মধ্যে নিজের ইচ্ছানুসারে দুটি অভিলেখের বিবরণ দাও।)

- c) प्रशस्तिकाव्यरूपेण गुप्तोत्तरकालीनलेखानां विशेषतुमुल्लिख्यताम्। 10  
(प्रशस्तिकाव्यरूपेण गुप्तोत्तरकालीन लेखानुलिखितेषु विशेषतः उल्लेखं करोत।)
- d) 'न च समाजो कतव्यो'—इत्यस्य वचनस्य पाठ्यांशमनुसृत्य तात्पर्यान् विव्रियताम्। 10  
(‘न च समाजो कतव्यो’—एषः वचनस्य पाठ्यांशं अनुसरणं तात्पर्यं लेखत।)
- e) मानवजीवने सत्ताजः अशोकस्य प्रथममुख्यागिरिशासनस्य प्रभावः आलोच्यताम्। 10  
(मानवजीवने सत्ताजः अशोकस्य प्रथमं मुख्यं गिरिशासनस्य प्रभावं आलोचनां करोत।)

### Group-B

#### Philosophy, Religion and Culture in Sanskrit Tradition

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं यद्वा प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रश्नेषु उत्तरद्वयं संस्कृतभाषया विधेयम्। 5×6=30  
(निचेर प्रश्नानुलिखितेषु येषु कोऽपि प्रश्नस्य उत्तरं दातुं। तेषामध्ये द्वौ प्रश्नस्य उत्तरं संस्कृतभाषया प्रदेयम्।)  
टीका लेख्या (टीका लेख)।
- a) यजुर्वेदः (यजुर्वेद)।  
b) शुल्बसूत्रम् (शुल्बसूत्र)।  
c) गृह्यसूत्रम् (गृह्यसूत्र)।  
d) याज्ञिक्याचार्यः (याज्ञिक्याचार्य)।  
e) पुराणविभागः (पुराणस्य विभाग)।  
f) पुराणानां विषयः (पुराणानुलिखितेषु विषय)।  
g) मत्स्यपुराणम् (मत्स्यपुराण)।  
h) वायुपुराणम् (वायुपुराण)।
2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथायथं त्रयाणामुत्तरं मातृभाषया लिख्यताम्। 10×3=30  
(निम्ने प्रदत्त प्रश्नानुलिखितेषु तेषामध्ये तिस्रः प्रश्नस्य उत्तरं मातृभाषया लेखत।)
- a) ब्राह्मणसाहित्यानां प्रयोजनं विभागविवरणं च विशदयेत् पर्यालोच्यताम्।  
(ब्राह्मणसाहित्यानुलिखितेषु प्रयोजनं च विभागस्य विवरणं विशदयेत् पर्यालोचनां करोत।)
- b) धर्मसूत्रमाश्रित्य एकं नातिदीर्घं प्रबन्धं लिखत।  
(धर्मसूत्रस्य आश्रयं करोत एकं नातिदीर्घं प्रबन्धं लेखत।)
- c) अथर्ववेदस्य समयकालमुल्लिख्य समाजे अस्य प्रभावः प्रतिपाद्यताम्।  
(अथर्ववेदस्य समयकालं उल्लेखं करोत समाजे अस्य प्रभावं प्रतिपादनं करोत।)
- d) संस्कृतसाहित्येषु पुराणस्य प्रभावं समुपस्थापयत।  
(संस्कृतसाहित्येषु पुराणस्य प्रभावं उपस्थापनं करोत।)
- e) 'पुराणम्' इति शब्दस्य तात्पर्यमुल्लिख्य पुराणेतिहासयोः सादृश्यवैसादृश्यं पर्यालोच्यताम्।  
(‘पुराणम्’ शब्दस्य तात्पर्यं उल्लेखं करोत पुराणं च इतिहासस्य मध्ये सादृश्यं वैसादृश्यं पर्यालोचनां करोत।)